1. 147
2. **डॉ. अपूर्व अजय कुमार जैन**
3. पंचरतन/लांगुर
4. 03.05.1993
5. 21.00
6. मड़िया
7. B.D.S.
8. 5'8'' / 68 कि.
9. गेहुँआ
10. डॉक्टर (दंत चिकित्सक)
11. 7.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. मड़िया तहसील पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी
15. **9893582946, 9575781008**
16. **9827254111**

1. 148
2. **सोमिल अरविन्दकुमार जैन**
3. दिवाकीर्ति/पंचरतन
4. 15.09.1991
5. 13.41
6. अहमदाबाद
7. B.E. (CS)
8. 5'9'' / 80 कि.
9. गोरा
10. सर्विस–टेक महिंद्रा, पुणे
11. 6.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. एच–II, हलाली कालोनी विदिशा
15. **9827542844**
16. **9425641944**

1. 149
2. **सोहित खूबचंद जैन**
3. फणीश/ऐलाचार्य
4. 22.10.1988
5. 23.00
6. –
7. B.A.
8. 5'10'' / –
9. गेहुँआ
10. रेडीमेड गारमेंट्स
11. –
12. –
13. –
14. जीन्स हाउस, बुधवारा रोड आष्टा, जिला सीहोर
15. **7049728545, 9300780478**
16. **9827624976**

1. 150
2. **निलेश कुमार कमल किशोर जैन**
3. फणीश/लांगुर
4. 20.11.1992
5. –
6. दुर्ग
7. M.Com, PGDCA
8. 5'4'' / 60 कि.
9. गोरा
10. नौकरी
11. 3.00 लाख
12. –
13. –
14. पुराना दीनदयाल कालोनी,एलआईजी सुनवानी शंकराचार्य इंजी. कालेज, दुर्ग
15. **7987216429**
16. **7879911020**

1. 151
2. **शुभम सुशील कुमार जैन**
3. फणीश/वैद्य
4. 07.03.1993
5. 6.10
6. –
7. MCA, NIT Bhopal
8. 5'2'' / –
9. गोरा
10. साफ्टेवयर डेवलेपर, नोएडा
11. 7.00 लाख
12. –
13. –
14. मे. सुलभा स्टोर, नया बस स्टेण्ड मेन रोड़, तालबेहट, ललितपुर
15. **9532529616, 9793439057**
16. **9452976687**

1. 152
2. **शुभांशु स्व. श्री संदीप कुमार जैन**
3. दिवाकीर्ति/फणीश
4. 31.05.1991
5. 23.48
6. बीना
7. M.Com
8. 5'8'' / 59 कि.
9. साफ
10. किराना एवं जनरल स्टोर
11. –
12. –
13. –
14. संदीप किराना एवं जनरल स्टोर खिमलासा रोड़, बीना, सागर
15. **9981298017, 9425453037**
16. **9907965038**

1. 153
2. **आदित्य अशोककुमार जैन**
3. पंचरतन/बिलौआ
4. 02.07.1990
5. 14.20
6. कन्हान, नागपुर
7. MBA, CLLB-IIM, Ahmedabad
8. 5'7'' / 62 कि.
9. गोरा
10. कपड़े का व्यवसाय
11. 6.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. स्टेट बैंक के सामने कन्हान, नागपुर
15. **9028668224, 7020019005**
16. **9595558934**

1. 154
2. **समकित दिनेश जैन**
3. फणीश/लांगुर
4. 29.01.1992
5. 1.15
6. खरगोन (ऊन)
7. M.Com, MBA
8. 5'10'' / 62 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस
11. 6.20 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. विष्णुपुरी कालोनी खरगोन
15. **8827837200**
16. **9827254111**

1. 155
2. **रोविन राकेश कुमार जैन**
3. बिलौआ/फणीश
4. 29.08.1991
5. 12.35
6. विदिशा
7. B.E., M.B.A.
8. 5'9'' / 66 कि.
9. गोरा
10. प्रायवेट नौकरी
11. 6 अंको में
12. हाँ
13. नहीं
14. 183, काली मस्जिद के पीछे खरीफाटक रोड़, विदिशा
15. **9893648480**
16. –

1. 156
2. **अभिषेक राकेश कुमार जैन**
3. पंचरतन/सोनव्यारे
4. 11.04.1990
5. 16.45
6. सागर
7. M.C.A
8. 5'7'' / 75 कि.
9. गेहुँआ
10. नौकरी – बैंगलोर
11. 10.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. मोहिनी वस्त्रालय, डॉ. खत्री के पास मकरोनिया, सागर
15. **9926713777**
16. **9753744929**

1. 157
2. **अनुरोध आजाद कुमार जैन**
3. सोनव्यारे/पटवारी
4. 25.09.1989
5. 1.15
6. पन्ना
7. B.Pharma
8. 5'8'' / 80 कि.
9. गेहुँआ
10. रेडीमेड शोरुम
11. 7.20 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. वर्धमान फैशन कलेक्शन, वार्ड न. 7, नेहा नगर, मकरोनिया, सागर
15. **9753744929**
16. **9926713777**

1. 158
2. **सौरभ शरदकुमार जैन**
3. लांगुर/रस
4. 15.11.1991
5. –
6. –
7. M.Tech
8. 5'11'' / 67 कि.
9. गेहुँआ
10. सीनियर एम एल डेवलेपर
11. –
12. –
13. –
14. जैन मंदिर के पास, गोल बाजार डोंगरगढ़ जिला राजनंदगांव
15. **9425560116, 9406091484**
16. **7588741014**

आपसे प्राप्त बायोडाटा के लिए हम आपका हृदय से आभार प्रकट करते है। प्राप्त बायोडाटा के आधार पर हमने विवाह विशेषांक का यह अंक आपके हाथों में है। इसमें हमने पूर्ण सावधानी से बायोडाटा प्रकाशित करने की कोशिश की है। हमारी इस कोशिश में यदि कोई त्रुटि रह जाती है तो उसके लिए हमें आपसे हृदय से क्षमाप्रार्थी है। यदि आपके द्वारा भेजे गये बायोडाटा का प्रकाशन इस विशेषांक में नहीं हुआ है तो कृपया संपर्क करें – 9424013136

विशेषांक के प्रासंगिक होने के कारण पुन: प्रकाशन

जीवनसाथी का चयन कैसा व कैसे हो ?

हमारे देश में दाम्पत्य संबंध का अर्थ बहुत गहरा और व्यापक है, शादी यानि एक नये संसार में दस्तक ख़ासकर लड़कियों के लिये एक नया माहौल, नये लोग।

शादी का रिश्ता, केवल सात फेरों या सात वचन लेने भर का नहीं, इस रिश्ते में कितनी ही अनकही, अबोली जिम्मेदारियां भी साथ आती है। जीवन साथी ही नहीं ससुराल से जुड़े हर पहलू की समझ रखना हिस्से में आ जाती है।

विवाह एक संस्कार है जो दो दिलों को एक करता है, साथ ही दो परिवारों और कितने ही अन्य लोगों को रिश्तों की कड़ी में पिरोता है। हालांकि जिंदगी के सबसे हसीन पलों में से एक है शादी। कितने सपने होते है कुंआरे नयनों में, भावनाओं का उछाल, बेहद विश्वास, निश्छलता, कुछ अल्हड़ता।

वैवाहिक संबंध मिले जुले अनुभवों और भावनाओं का संगम है इसमे जहां सुख दुख की धूप छांव है तो मिलन विछोह की कसक भी है, शादी संपूर्ण खट्टा नहीं, संपूर्ण मीठा नहीं। कुछ खट्टा, कुछ मीठा, कुछ चटपटा, कुछ कसैला भी है। यदि हम इसे केवल सुख की सेज मानकर या केवल कांटो का ताज मानकर चले तो दोनों ही गलत है, जहां इसमें शीतल बयार है तो तेज आंधियां और लू के थपेड़े भी है।

प्रेम विवाह हो या परम्परागत विवाह या किसी आधुनिक पद्धति से किया गया विवाह अर्थात् लिव इन में रहने के बाद सब गुप चुप तरीके से किया गया या भागकर सजातीय या अंतर्जातीय लड़के और लड़की की पसंद और रुचि बहुत मायने रखती है।

जब हम परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाकर किसी दूसरी जाति या किसी दूसरे धर्म में अपना भविष्य देखते है तब बहुत सजगता और सतर्कता की आवश्यकता होती है क्योंकि तब आपका खानपान, आपका रहन सहन, आपके संस्कार, रीतियां, आपके आराध्य जिनसे आपका लगाव शैशवकाल से लेकर जवानी तक रहा, वह पूरा का पूरा एक झटके में बदल जाता है और यह चयन केवल आपका और आपका ही होता है। यदि गलत होता है तो इसमें भूल के लिये केवल दण्ड है, सुधार की कोई गुजाइंश नहीं बचती, ना ही आपके अपने साथ होते है। कुछ अपवादों को यदि छोड़ दें तो हर माता पिता की यही दिली इच्छा होती है कि वह अपने बच्चों को अच्छे से अच्छा जीवन साथी अपनी ही संस्कृति, संस्कारों और धार्मिक आस्थाओं वाला ढूंढ़ने में मदद करें।

प्रायः युवा अपनी जवानी में ऐसी भूल कर जाते है कि उससे जिंदगी का सारा नक्शा ही बदल जाता है पर किसी का सही कदम जिंदगी का अक़्स संवार भी देता है।

''जीवन में कुछ चीज़े कोमल तंतुओ से बंधी रहने पर सुंदरता को पाती है, जब उन्हें अधिकार की लोह श्रृंखला से बांधने का प्रयास किया जाता है तो वह बिखर जाती है और विवाह में ये बात शत प्रतिशत लागू होती है। यदि प्रेम विवाह हो रहा है तब लड़का और लड़की दोनों ही सपनों की एक अलग दुनिया, टीवी सीरियल, फिल्मों की संतरंगी कहानियों में विचरण कर रहे होते है। वे इस तथ्य को भूल जाते है कि जिंदगी टीवी का धारावाहिक नहीं, दाम्पत्य में केवल लव स्टोरी ही चलने वाली नहीं है। जीवन का ये गूढ़ सत्य है कि – **''मिल गया तो माटी जैसा, खो गया तो सोने जैसा''**। विवाह संबंध, प्रेम भावना, मित्र भावना के अतिरिक्त कुछ अन्य अस्पृश्य अनुभूतियों की जिम्मेदारियों का समूह भी है। भावी जीवन को सुखमय बनाने के लिए पहले से ही स्वयं को तैयार करना पड़ता है।

किसी को केवल जानने मात्र से ज्यादा काम बनते नहीं क्योंकि जानना आसान है वरन् पहचानना मुश्किल है, जब दैनिक जीवन में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन पूरे लगन, अनुशासन के साथ परिवार के प्रत्येक व्यक्ति की कसौटी पर खरा उतर कर करना होता है तब सही पहचान होती है, तब हमारे अंदर से हूक नहीं उठनी चाहिये। कई बार हम मीठे मीठे प्रलोभनों में फंसकर किसी के दिखावे में उलझकर, केवल अपने भावनाओं के ज्वर में सिमटकर कुछ ऐसे कदम उठा लेते है, जिसके बाद हमारे लिए वापसी के सारे रास्ते बंद हो जाते है। हमारे परिजन केवल हमें बेबस देखते रहते है।

विशेषकर लड़कियों से कहूंगी – पत्नी बनना एक चुनौती है, संघर्ष है, पत्नी बनकर किसी के साथ रहना, उसे प्यार करना, जटिल व्यक्तित्व एवं विचार धारा के साथ उसके संपूर्ण रीति रिवाज,